मेरे चिंतन में आके बसो लाड़ली भजन लिरिक्स

मेरे चिंतन में आके बसो लाड़ली,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे,
तुम हो करुणा की सागर बहो लाड़ली,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे।bd।

आँख खोलूं तो ऊँची अटारी दिखे,
आँख मुंदु तो श्यामा जु प्यारी दिखे,
तेरी करुणा के रस में बहुं लाड़ली,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे।bd।

मेरे भावों को कर देना सांचो प्रिये,
मेरी जिव्हा पे नाम बन नाचो प्रिये,
रस की सागर हो तुम अब रसो लाड़ली,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे।bd।

भाव में कैसे डूबूं बता दीजिये,
प्रेम होता है क्या ये सीखा दीजिये,
मैं रुदन में रहूं तुम हंसो लाड़ली,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे।bd।

नाम ऐसा जपूँ मुझमे आवेश हो,
तेरी लीला में मेरा भी परवेश हो,
'हरिदासी' की हालत लखो लाड़ली,
Radha Bhajan Diary Lyrics,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे।bd।

मेरे चिंतन में आके बसो लाड़ली,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे,
तुम हो करुणा की सागर बहो लाड़ली,
फिर भले कुछ भी देना ना देना मुझे।bd।

स्वर – साध्वी पूर्णिमा दीदी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com